

आत्महारा पुं. (तत्.) [आत्म+हारा] स्वयं को भूला हुआ।

आत्महिंसा स्त्री. (तत्.) [आत्म+हिंसा] 1. अपनी अंतरात्मा की हत्या 2. आत्म हत्या, खुदकशी।

आत्महित पुं. (तत्.) [आत्म+हित] अपना हित, अपनी भलाई, अपना कल्याण।

आत्मा स्त्री. (तत्.) 1. जीवात्मा 2. जीव, व्यष्टि जीव, जीवन तत्व, चेतन तत्व 3. अंतःकरण, मन, बुद्धि, चित्त 4. सार, विशेषता।

आत्माधिक वि. (तत्.) [आत्म+अधिक] अपने से अधिक।

आत्माधीन वि. (तत्.) [आत्म+अधीन] अपने वश में रहने वाला।

आत्मानंद पुं. (तत्.) आत्मलीन होने का सुख, आत्मिक ज्ञान का सुख।

आत्मानात्म पुं. (तत्.) [आत्म+अनात्म] आत्मा तथा अनात्म, आत्मा और अन्य जड़-चेतन आदि पदार्थ।

आत्मानुगमन पुं. (तत्.) [आत्म+अनुगमन] अपने ही सोच-विचार से कार्य करने का भाव, स्वकीय अनुसरण, अपने विवेक से ही आगे बढ़ने का भाव।

आत्मानुभव पुं. (तत्.) 1. अपना अनुभव, अपना तजुर्बा 2. आत्मा की अनुभूति, आत्म तत्व का अनुभव।

आत्मानुभूति स्त्री. (तत्.) दे. आत्मानुभव।

आत्मानुरूप वि. (तत्.) [आत्म+अनुरूप] जो गुण आदि में अपने समान हो।

आत्मानुशासन पुं. (तत्.) [आत्म+अनुशासन] अपनी इच्छा शक्ति से ही अपनी मनोवृत्तियों को नियंत्रण में रखना।

आत्मानुशीलन पुं. (तत्.) स्वविषयक विचार-चिंतन, आत्मचिंतन, आत्मतत्व का चिंतन।

आत्माभिमान पुं. (तत्.) 1. स्वाभिमान, आत्म-सम्मान 2. आत्मगौरव।

आत्माभिमानी वि. (तत्.) जिसे अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान हो, स्वाभिमानी (व्यक्ति)।

आत्माभिमुख वि. (तत्.) [आत्म+अभिमुख] अंतर्मुखी (प्रवृत्ति वाला)।

आत्माभिव्यक्ति स्त्री. (तत्.) [आत्म+अभिव्यक्ति] स्वकल्पना की लालित्य पूर्ण अभिव्यक्ति, अपने विचारों को प्रकट करने का कार्य, काव्य, मूर्तिकला, चित्रकला आदि में अपनी व्यक्तिगत भावनाओं का प्रकटीकरण।

आत्माभ्युदय पुं. (तत्.) [आत्म+अभ्युदय] अपनी उन्नति, अपना उत्कर्ष।

आत्माराम पुं. (तत्.) [आत्म+आराम] 1. अपने आप में प्रसन्न रहने वाला 2. आत्म-भाव में रमण करने वाला, आत्म संतुष्ट 3. आध्यात्मिकता का साधक पुं. (देश.) अपना व्यक्तित्व, अपना आप, खुद।

आत्मारोपण पुं. (तत्.) [आत्म+आरोपण] अपनी इच्छा से महत्वपूर्ण दायित्वों अथवा कार्य-कलापों की जिम्मेदारी संभालने का कार्य।

आत्मार्थ क्रि.वि. (तत्.) [आत्म+अर्थ] 1. अपने लिए 2. आत्मा/ब्रह्म के लिए।

आत्मार्थक वि. (तत्.) [आत्म+अर्थक] अपने निमित्त वाला। 2. आत्मा/ब्रह्म निमित्तार्थ।

आत्मार्पण पुं. (तत्.) स्वयं अपने आप को अर्पित कर देना, आत्म समर्पण, आत्म-निवेदन।

आत्मालोचन पुं. [आत्म+आलोचन] (तत्.) अपने गुणदोषों का विवेचन।

आत्मावज्ञा स्त्री. (तत्.) [आत्म+अवज्ञा] स्वयं अपनी उपेक्षा, आत्म तिरस्कार।

आत्मावलंबन पुं. (तत्.) [आत्म+अवलंबन] अपने पर अवलंबन का कार्य, अन्य किसी के सहयोग से रहित का कार्य, सब काम अपने ही बल पर।

आत्मावलंबी वि. (तत्.) स्वावलंबी, अपने ही भरोसे पर सब काम करने वाला, जो किसी दूसरे पर आश्रित न रहे।